

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Press Note 24 January 2021

आज, लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति के निवास पर, यूपी स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के कुलपति प्रोफेसर कलालता पांडे मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम की शुरुआत लखनऊ विश्वविद्यालय के योग और प्राकृतिक चिकित्सा संकाय के छात्रों द्वारा योग के प्रदर्शन से हुई। योग कार्यक्रम में, प्रतिभागियों ने ताड़ासन, धनुरासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन किया जो शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। मानसिक स्वास्थ्य के विकास के लिए, योग प्रशिक्षकों द्वारा पद्मासन, नाडी षोडन, भस्त्रिका, और उज्जई आदि का अभ्यास भी किया। इसके बाद, संस्कृत विभाग की डॉ। भुवनेश्वरी भारद्वाज ने अपने भाषण में उस क्षेत्र के महत्व को विस्तार से बताया जिसमें हमारा उत्तर प्रदेश है। हमारा उत्तरप्रदेश जिस भूभाग में अवस्थित है उसकी महनीयता के लिए शास्त्रों में कहा गया है-

एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः।

स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेणन् पृथिव्यां सर्वमानवाः॥

अर्थात् पूरी दुनिया के लोगों को अपनी अपनी भूमिकाओं के सम्यक् निर्वहन के लिए यहाँ के अग्रकर्ताओं के चरित्रों से सीखना चाहिए ।

अवतारों में परम श्रीराम और श्रीकृष्ण यहीं हुए। अनादि काशी यहीं है जिसको कलिकाल के अवतार बुद्ध ने धर्मचक्रप्रवर्तन हेतु चुना । जिनकी देशनाएं युद्ध और संघर्ष की विभीषिकाओं से आक्रांत विश्व को आज भी ध्यान शांति और मांगल्य द्वारा शीतलता प्रदान कर रहीं हैं। यहीं पर अयोध्या है जहां श्रीराम जन्मे और खेले, जहां शेषावतार पतंजलि ने यज्ञ किए। गोनर्द यहीं है, जहाँ उनका आश्रम था, जो व्याकरण आयुर्वेद और योगशास्त्र के मुनि थे और आज समूचा विश्व इन सभी क्षेत्रों में उनकी शिक्षाओं को समझने और ग्रहण करने की कोशिश कर रहा है। प्रयागराज; जहां भरद्वाज ऋषि का आश्रम था; जिनसे स्वयं मर्यादापुरुषोत्तम राम , जिनका चरित्र संपूर्ण मानवता के लिए आदर्श बना हुआ है, वह भी स्वयं पूछने गए थे- "कहहु नाथ हम केहि मग जाहीं"। यहीं महान समुद्रगुप्त की वाहिनी स्कंधावार था जिसके भुजबल के सूर्य ने समूची पृथ्वी में अपने बल का अभिमान रखने वाले आक्रान्ताओं के बलाभिमान को अस्त कर दिया था। जिसकी प्रयाग-प्रशस्ति में हरिषेण लिखते हैं- विविधसमरशतावरणदक्षः स्वभुजबलपराक्रमैकबन्धुः॥ अर्थात् जिसके भुजबल का पराक्रम ही उसका एकमात्र बंधु है। मारा लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

विश्वविद्यालय इसी गुरु परम्परा के सम्यक् निर्वहन हेतु माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय सर के निर्देशन में नवजागरण हेतु पुनर्संगठित हो रहा है।

तत्पश्चात, संस्कृतकी के छात्रों ने अपना अपने प्रदर्शन से सबका मन मोह लिया। अभिन्न ने अपने गिटार के साथ "जहाँ डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती हैं बसेरा" गाया। प्रशांत शर्मा ने एक कविता "उत्तर प्रदेश स्वर्णिम" का पाठ किया। तत्पश्चात, ओमिषा ने लखनऊ के बारे में एक कविता का पाठ किया और कहा कि "हम उस धरती से आते हैं जिसे उत्तर प्रदेश कहते हैं"। शिवांगी ने उत्तर प्रदेश और लखनऊ के बारे में एक कविता भी सुनाई। योग संकाय के एक छात्र ने भी एक कविता "बार बार माता भारती तुझको प्रणाम है" सुनाई और अंत में अनन्या ने एक गीत "कर चले हम फिदा जान तन साथियों" गाया। चूंकि, 24 जनवरी को "बालिका दिवस" के रूप में भी मनाया जाता है, इसलिए अभिन्न और उनके समूह ने एक गीत "ओ री चिरैया" प्रस्तुत किया और माननीय कुलपति की बेटी ने "बेटियां जो ब्याही जाये वो मुड़ती नहीं" पर एक भावपूर्ण नृत्य किया।

कार्यक्रम के अंत में माननीय कुलपति ने सभी को बधाई दी और कार्यक्रम में आने के लिए जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के कुलपति प्रोफेसर कल्पता पांडे को धन्यवाद दिया। माननीय कुलपति के परिवार के सदस्यों के साथ कार्यक्रम में, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो पूनम टंडन, डीन आरएसी, प्रो। मनुका खन्ना, निदेशक संस्कृतकी प्रो। राकेश चंद्र और विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

Today, UP Sthapana Diwas was celebrated at the residence of Hon'ble Vice Chancellor, University of Lucknow. In the program Professor Kalplata Pandey, Vice Chancellor, Jannayak Chandrashekhar University, Ballia was the Chief Guest. The program started with the performance of Yoga by the students of Faculty of Yoga and Naturopathy, University of Lucknow. In the yoga event, participants performed Tadasana, Dhanurasana, Bhujangasana, Pawanmuktasana, Ardhamatsyandrasana which are good for physical health. For the development of mental health, practice of Padmasana, nadi shodhan, Bhastrika, and Ujjai etc. were practiced by yoga instructors. Thereafter, Dr. Bhuvneshwari Bhardwaj of Department of Sanskrit in her speech elaborated the significance of the terrain in which our Uttar Pradesh is located, and also delivered what had been said about our state in the scriptures. She said that the incarnations of Sri Ram and Shri Krishna were here. It is here that Anadi Kashi was chosen by Buddha, the incarnation of Kalikala, for the Dharmachakra prakara. Whose teachings are still providing peace to the world beset by the horrors of war and conflict, by peace and Mangalya.

Thereafter, the students performance Sanskritki started in which Abhinn with his guitar sang "Jahan daal daal par sone ki chidya karti hain basera". Prashant Sharma recited a poem, "Uttar Pradesh Swarnim". Thereafter, Omisha recited a poetry about Lucknow and said "Uss dharti se

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

ham aate hain jise Uttar Pradesh Kahte hain". Shivangi also recited a poetry about the Uttar Pradesh and Lucknow. A student from Yoga faculty had also recited a poetry "Baar Baar Mata Bharti Ko pranaam hai" and finally Ananya sang a song "Kar Chale hum fida jaane tan saathiyon". Since, 24th January is also celebrated as "Girl Child Day" therefore Abhinn and his group presented a song "O ri Chiraiya" and Hon'ble VC's daughter performed an emotional dance on "Betiyon jo byaahi jaye wo mudti nahi hai".

At the end of program Hon'ble Vice Chancellor congratulated everyone and thanked Professor Kalplata Pandey, Vice Chancellor, Jannayak Chandrashekhar University, Ballia for coming in the program. In the program alongwith the family members of the Hon'ble Vice Chancellor, Dean Student Welfare Prof Poonam Tandon, Dean RAC, Prof. Manuka Khanna, Director Sanskritki Prof. Rakesh Chandra and other dignitaries from University were present.